बलिया में कच्चे तेल की खोज

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के गंगा बेसिन में स्थित बलिया ज़िले के सागरपाली गाँव में तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ONGC) ने 3,000 मीटर की गहराई पर कच्चे तेल के विशाल भंडार की खोज की।

मुख्य बिंदु

- इससे न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी, बल्कि अरब देशों पर निर्भरता भी कम हो जाएगी।
- यह भंडार कई दशकों तक भारत को आवश्यक ईंधन उपलब्ध कराएगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिलेगी।
- इस तेल भंडार का विस्तार बलिया के सागरपाली से लेकर प्रयागराज के फाफामऊ तक 300 किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- भारत में कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य **राजस्थान** (21.82%), गुजरात (13.53%), असम (12.50%), तमिलनाडु (1.15%), आंध्र प्रदेश (0.87%) और अरुणाचल प्रदेश (0.13%) हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम(ONGC)

- यह भारत सरकार का एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU) है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी** तथा यह **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** के अधीन है।
- यह भारत की सबसे बड़ी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो **भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 70% योगदान देती है।**

गंगा बेसिन

- गंगा की जलधारा जिसे **'भागीरथी'** कहा जाता है, **गंगोत्री ग्लेशियर से पोषित होती है** और उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।
- हरिद्वार में **गंगा पहाड़ों से निकलकर मैदानी इलाकों** की ओर आती है।
- गंगा में हिमालय से कई सहायक नदियाँ मिलती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख नदियाँ हैं जैसे कि यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी।

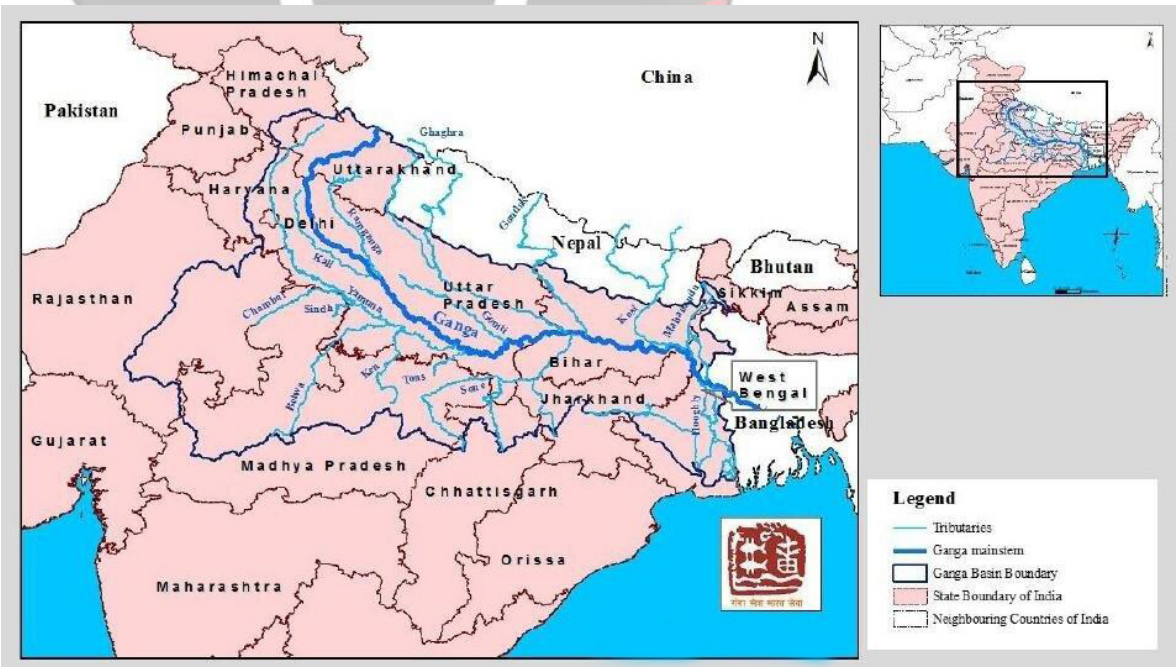

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/crude-oil-discovery-in-ballia